बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम समसत्र

विषय कोड – MJ–01

क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100

(आंतरिक मूल्यांकन–25)

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकाल

इकाई 1 : हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ, हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण (क्रेडिट–02)

इकाई 2 : आदिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण (क्रेडिट–01)

इकाई 3 : आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य का परिचय (क्रेडिट–02)

इकाई 4 : आदिकालीन कवि : (क्रेडिट–01)

अमीर खुसरो

1. एक थाल मोती से भरा .....एक ना गिरे।
2. एकनार ने अचरज किया .....सांप मर जाए।
3. उज्जल बरन, अधीन तन.....पाप की खान।
4. गोरी सोवै सेज पर .....भई चहुं देश।

विद्यापति– विद्यापति पदावली (सं॰ रामवृक्ष बेनीपुरी)

1. वंदना– नन्दक नन्दन कदम्बेरि.....
2. राधा की वंदना – देख–देख राधा रूप अपार.....
3. देवी वंदना– जय–जय भैरवि असुर भयावनि.....
4. वयः संधि– सैसव जीवन मिलि गेल.....

सामान्य निर्देश/अंक विभाजनः

1– प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।

2– प्रश्न पत्र के दो खण्ड होंगे। खण्ड 'क' अनिवार्य है, इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ एवं अति लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। खण्ड 'ख' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे।

3– अंक विभाजन–

खण्ड 'क'– 1– वस्तुनिष्ठः 01×05=05 अंक

2– अति लघुउत्तरीयः 05×01=05 अंक

3– अति लघुउत्तरीयः 05×01=05 अंक

खण्ड 'ख'– दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 15×04=60 अंक (इस खण्ड के छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं)

17/10/22

17/10/22

17-10-2022

17-10-22

17.10.22

17.10.22

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय समसत्र

विषय कोड – MJ–02
क्रेडिट – 06

कुल अंक – 100
(आंतरिक मूल्यांकन–25)

भक्तिकाल एवं रीतिकाल

इकाई 1 : भक्तिकाल : प्रेरक परिस्थियाँ, प्रवृतियाँ, संत काव्य–परंपरा एवं सूफी काव्य परंपरा के प्रमुख कवि, कृष्ण काव्य–परंपरा एवं रामकाव्य परंपरा के प्रमुख कवि (क्रेडिट–02)

इकाई 2 : रीतिकाल : नामकरण, प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त एवं वीर काव्यधारा के प्रमुख कवि (क्रेडिट–02)

इकाई 3 : कबीर, जायसी (क्रेडिट–01)

कबीर : 1. पोथी पढ़ि–पढ़ि जग मुआ.....
2. गुरु गोविन्द दोऊ खड़े .....
3. नदिया एक घाट बहुतरे रे.....
4. भींजे चुनरिया प्रेम रस बूंदन (पद).....
5. मैं अपने साहिब संग चली (पद).....

जायसी : 1. चढ़ा आसाढ़ गगन घन गाजा.....
2. कातिक सरद चंद उजियारि.....
3. भा बैसाख तपनि अति लागी.....
4. भई पुछार लीन्ह बन बासू.....

इकाई 4 : बिहारी, घनानंद (क्रेडिट–01)

बिहारी : 1. नहि पराग नहि मधुरमधु.....
2. बतरस लालच लाल की.....
3. मेरी भवबाधा हरों.....
4. चिरजीवीं जोरी जुरे.....
5. दृग उरझत, टुटत कुटुम.....

घनानंद : 1. अति सूधो सनेह को मारगहे.....
2. घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ.....
3. लट–लट कपोल कलोल करें.....
4. भोर तैं साँझ लौं कानन और .....

सामान्य निर्देश/अंक विभाजनः

1– प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।

2– प्रश्न पत्र के दो खण्ड होंगे। खण्ड 'क' अनिवार्य है, इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ एवं अति लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। खण्ड 'ख' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे।

3– अंक विभाजन–

खण्ड 'क'– 1– वस्तुनिष्ठः 01×5=05 अंक
2– अति लघुउत्तरीयः 05×1=05 अंक
3– अति लघुउत्तरीयः 05×1=05 अंक

खण्ड 'ख'– दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 15×4=60 अंक (इस खण्ड के छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं)

17/10/22 17/10/22 17-10-2022 17-10-22 17.10.22 17.10.22

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम समसत्र

विषय कोड – IRC-01

कुल अंक – 100

क्रेडिट – 03

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकाल

इकाई : 1	हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, काल–विभाजन एवं नामकरण	(क्रेडिट–01)
इकाई : 2	आदिकालीन परिस्थितियाँ, नामकरण, एवं प्रवृत्तियाँ	(क्रेडिट–01)
इकाई : 3	सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य का परिचय	(क्रेडिट–01

सामान्य निर्देश/अंक विभाजनः

1– प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।

2– प्रश्न पत्र के दो खण्ड होंगे। खण्ड 'क' अनिवार्य है, इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ एवं अति लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। खण्ड 'ख' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे।

3– अंक विभाजन–

खण्ड 'क'– 1– वस्तुनिष्ठः 1×10=10 अंक

2– अति लघुउत्तरीयः 05×1=05 अंक

3– अति लघुउत्तरीयः 05×1=05 अंक

खण्ड 'ख'– दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 20×4 =80 अंक (इस खण्ड के छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं)

17/10/22

17/10/22

17-10-2022

17-10-22

17.10.22

17.10.22

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय समसत्र

विषय कोड – IRC-02

कुल अंक – 100

क्रेडिट – 03

भक्तिकाल

इकाई : 1	भक्तिकाल : उद्‌भव, परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ	(क्रेडिट–01)
इकाई : 2	निर्गुण काव्यधारा: प्रवृत्तियाँ, कबीर एवं जायसी का साहित्यिक परिचय	(क्रेडिट–01)
इकाई : 3	सगुण काव्यधारा: प्रवृत्तियाँ, सूरदास एवं तुलसीदास का साहित्यिक परिचय	(क्रेडिट–01)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन:

1– प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।

2– प्रश्न पत्र के दो खण्ड होंगे। खण्ड 'क' अनिवार्य है, इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ एवं अति लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। खण्ड 'ख' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे।

3– अंक विभाजन–

खण्ड 'क'– 1– वस्तुनिष्ठ: 1×10=10 अंक

2– अति लघुउत्तरीय: 05×1=05 अंक

3– अति लघुउत्तरीय: 05×1=05 अंक

खण्ड 'ख'– दीर्घउत्तरीय प्रश्न: 20×4=80 अंक (इस खण्ड के छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं)

17/10/22

17-10-2022

17.10.22

17.10.22

17.10.22